

मुख्यमंत्री ने हरियाणा संस्कृत अकादमी और पंजाबी साहित्य अकादमी की वेबसाइट व मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किये

चर्चा में क्यों?

24 फरवरी, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्‌टर ने टैगोर थियेटर में हरियाणा साहित्य पर्व के अवसर पर हरियाणा संस्कृत अकादमी और पंजाबी साहित्य अकादमी की वेबसाइट व मोबाइल एप्लीकेशन लॉन्च किये।

प्रमुख बंदि

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संस्कृत, हन्दि, पंजाबी व उर्दू भाषा के 138 साहित्यकारों को सम्मानित किया। ये सम्मान हरियाणा संस्कृत अकादमी, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी, हरियाणा उर्दू अकादमी के अंतर्गत दिये गए। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चारों अकादमियों के अध्यक्ष हैं।
- आजीवन साहित्य साधना सम्मान वर्ष 2017 के लिये डॉ. कमल कशिर गोयनका व वर्ष 2018 के लिये डॉ. सुरेश गौतम, 2019 के लिये माधव कौशिक और 2020 के लिये ज्ञानप्रकाश वविक को 7-7 लाख रुपए की पुरस्कार राशि व प्रशस्त-पत्र दिया गया।
- फखरे हरियाणा सम्मान वर्ष 2019 के लिये डॉ. हम्मत सहि सनिहा नाजमि, वर्ष 2020 के लिये डॉ. कुमार पानीपती को 5-5 लाख रुपए की राशि व प्रशस्त-पत्र दिया गया।
- इसी प्रकार महाकवि सूरदास आजीवन साहित्य सम्मान वर्ष 2017 के लिये डॉ. पूरणचंद शरमा, 2018 के लिये मधुकांत, डॉ. संतराम देशवाल, वर्ष 2019 के लिये डॉ. सुदर्शन रत्नाकर व श्रीमती चंद्रकांता, वर्ष 2020 के लिये डॉ. सुभाष रस्तोगी को 5-5 लाख रुपए की राशि व प्रशस्त-पत्र दिये गए।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी भाषाओं के साहित्यकार समान होते हैं, ऐसे में सरकार द्वारा दी जाने वाली पुरस्कार राशि भी समान होनी चाहिये।
- उन्होंने कहा कि हरियाणा की साहित्य अकादमियों की पुरस्कार राशि को लेकर एक समान फॉर्मूला बनाया जाए। अभी तक हरियाणा की चारों साहित्य अकादमियाँ साहित्य के क्षेत्र में अलग-अलग पुरस्कार राशि दे रही हैं।